श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नवीन सोगानी
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

E-2 पहली मंजिल, जवाहर पार्क
हीरा स्वीट्स के पीछे विकास मार्ग
लक्ष्मीनगर, शकरपुर दिल्ली-110092
मो. 9990358901, 9810358901

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of : Shree Digamber Jain Mahasamiti

Account No : 10170001973962

Branch : Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048

IFSC Code : BDBL0001727

वर्ष 6 - अंक 3 अगस्त 2024

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
इन्दु जैन गांधी

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : सेवाभारती प्रिंटिंग प्रेस
हाथरस-204101
मो. 8791580090

	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय....	2
2.	शिक्षा के साथ...	6
3.	जरूरतमंद विधवा......	7
4.	श्री दिगम्बर जैन महासमिति...	8
5.	महिला एवं युवा महिला संभाग...	9
6.	महिला महासमिति संभाग....	10
7.	उपाध्याय वर्षभानंद....	11
8.	लहरिया उत्सव....	13
9.	भारतीय धरोहर....	15
10.	विशेष निवेदन....	16
11.	महिला संभाग....	17
12.	नेत्रदान महादान....	18

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

जीवन को सुन्दर बनाने के लिए बच्चों को संस्कारित करें ।

अक्सर ऐसे समाचार पढ़ने और सुनने को मिल रहे हैं कि छात्र छात्रायें सफलता प्राप्त न होने अथवा असफलता के भय से घवरा कर आत्म हत्यायें कर रहे हैं । इसके लिए छात्र ही नहीं कुछ अंशो में अभिभावक गण भी दोषी हैं। बढ़ती अत्महत्याओं का एक प्रमुख कारण है– नैतिक एवं धार्मिक संस्कारों का अभाव। बचपन से ही धर्म संस्कारों के अभाव में आज के बालक–बालिकाएं पथ भ्रष्ट हो रहे हैं। उनका उचित मार्ग दर्शन करके ही उन्हें संस्कार शील बनाया जा सकता है।

वर्तमान में संस्कारों की आवश्यकता :- आजकल परिवार छोटे होने लगे हैं। अधिकतर परिवारों में दो या सिर्फ एक ही बच्चा जन्म ले रहा है। ऐसे में माता–पिता बच्चों का रख–रखाव करने में उन्हें इतना सुविधा भोगी बना रहे हुं कि बच्चे खुद कुछ करें, ऐसा उन्हें संघर्ष करने का मौका ही नहीं मिल रहा है। वे भावनात्मक और शारीरिक दृष्टि से मजबूत बनने की जगह कमजोर बनते जा रहे हैं। बच्चों को अधिकाधिक सुविधायें देकर हम ही उन्हें बिगाड़ते हैं, उन्हें जिद्दी बनाते हैं, कुछ मायने में कमजोर बनाते हैं, जिससे उनकी दु:ख सहने की शक्ति सबल नहीं बन पाती क्योंकि ''जतन बहुत सुख को कियो, दुःख को कियो न कोय'' इसलिए जरुरी है कि बच्चा जिद करे तो उसके साथ सख्ती बरतें ।

बतौर अभिभावक जरूरी है कि हम अपनों को सही परवरिश दें ताकि वह उस पौधे की तरह बने जो मुसीबतों के आने पर गिरे नहीं, बल्कि अपना सीना चौड़ा कर उनका सामना कर सकें ।

विज्ञान और तकनीकी के कारण घर में सुविधायें बढ़ती जा रही हैं। बच्चों मोबाइल की दुनिया में ही डूबे रहते हैं । उनके संस्कारों की फीडिंग अब केवल परिवार पर ही निर्भर नहीं है, वे मोबाइल के अल्पवय में ही संस्कार या कुसंस्कार प्राप्त कर लेते हैं। नैतिक मूल्यों के ह्रास को रोकना भी सामाजिक, राजनैतिक एवं शिक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। ''जीवन को सुन्दर बनाने हेतु बच्चों को संस्कारों का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। छोटी-छोटी बातों में नाराजगी व्यक्त करने के कारण आज के बच्चे असहिष्णु होते जा रहे हैं। वे माता-पिता की नहीं सुनते।'' छोटे–छोटे बच्चों को बात–बात में मनाना पड़ता है। उनकी इच्छाओं को पूरा करना पड़ता है। बच्चे सुधरें, इसके लिए माता–पिता अथवा अभिभावकगण बालक–बालिकाओं को बचपन से ही धार्मिक एवं नैतिक संस्कार दें।

आज अर्थ प्रधान युग है। अर्थ प्रदर्शन की प्रवृति भ्रष्टाचार, स्वार्थ, वस्तुओं में मिलावट, संसाधनों के अपव्यय, परस्पर द्वेष एवं अपराध को बढ़ावा दे रही है। अत: बच्चों के लालन–पालन के लिये इस युग में अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। घर परिवार के जो संस्कार होते हैं उनका असर बालक–बालिकाओं पर दृष्टिगोचर होता है । इसके लिए सद्गुणों की शुरुआत स्वयं से करनी होती है। जब तक हमारी अंगुली पर कुमकुम न लगेगा तब तक सामने वाले के ललाट पर तिलक कैसे कर सकेंगे। अत: पहले बड़े संस्कारी बनें और फिर बच्चों को संस्कार दें, क्योंकि बच्चे बड़ों से ही बहुत कुछ सीखते हैं। बच्चों को संस्कारशील बनाने के लिए प्रतिदिन निश्चित समय निकालें और मार्गदर्शन देकर उन्हें इस प्रकार प्रशिक्षित करें–

(1) **बड़ों का विनय करना सिखाएँ-** बड़ों की छत्रछाया हमारी संस्कृति और संस्कार है, बोझ नहीं। यह हमारा सुरक्षा कवच है, इन्हें सम्भाल कर रखिए। बच्चों को बड़ों की आज्ञा का पालन करना सिखाएँ। बालक–बालिकाओं में विनय के संस्कार दृढ़ बनें अत: प्रतिदिन घर के बड़े बुजुर्गो को प्रणाम करने की आदत डलवाएँ। बड़ों के आशीर्वाद से ही सद्गुणों की वृद्धि होती है। उनके अनुभवों को सुनने–समझने से बहुत बड़ी सीख मिलती है।

(2) **रुचि का ध्यान रखें-** अभिभावकों को बच्चे की शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं को पहचानना चाहिए। उसकी अभिरुचियों का ध्यान रखते हुए उसे स्वयं निर्णय लेना सिखाना चाहिए। रचनात्मकता का विकास कर उन्हें विवेकशील बनाएँ और उनमें आत्म–निर्भरता का गुण विकसित करें। ऐसे महापुरुषों के बारे में बताएँ जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी धैर्य का दामन न छोड़ा। असफल होने पर भी मनोबल नहीं गिराया।

(3) **कमजोरी दूर करने में मददगार बनें-** हर बच्चा खास होता है उसमें कुछ न कुछ काबिलियत होती है, कुछ कमजोरी भी होती है। हमें हर बच्चे की खासियत को पहचानना है। हमें उसकी मदद करना है ताकि वह यह ढूँढ़ पाए कि उसे किस चीज से खुशी मिलती है, उसका दिल क्या करना चाहता है? इसी तरह उसकी कमजोरी को दूर करने में भी मददगार बनना है।

(4) **बच्चों को स्वार्थी नहीं बनाएँ-** शिक्षा से ही हम बच्चों को अच्छे इंसान के रूप में तैयार करते हैं। हमें बच्चे को ऐसा तैयार करना चाहिए कि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके, किसी की मदद कर सके, किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सके। आजकल हम बच्चों से पूछते रहते हैं कि कितने नम्बर लाए, प्रथम आये कि नहीं? बच्चे के जेहन में बात बैठ जाती है कि प्रथम आना जरूरी है। जब यह बच्चा युवा होता है तो वह बड़ा स्वार्थी हो जाता है। वह केवल अपने बारे में सोचता है, क्योंकि ऐसा ही हमने उसे सिखाया है। बचपन से हमने उसे बताया है कि तुम्हें अव्वल आना है बाकी सब को भूल जाओ। इसलिए उसका नजरिया भी ऐसा हो जाता है कि सफल होना है, बाकी किसी की परवाह उसे नहीं करना है।

(5) **बच्चों को साथ देने वाला बनाएँ -** अगर हम छोटे बच्चों से यह नहीं पूछें कि मार्क्स कितने मिले बल्कि यह जरूर पूछें कि आज किसकी मदद की? आज तुम किसके चेहरे पर मुस्कुराहट लाए? इसी से बच्चे को लगेगा कि यह भी जरूरी है। उनका नजरिया बदल जायेगा। ऐसी सोच वाले सारे बच्चे जब नौजवान बनेंगे तो समाज ही बदल जायेगा।

(6) **धैर्य और सहनशीलता की आदत डालें-** सफलता पाने के बाद दबाव की शुरुआत घर से होती है एवं स्कूल कॉलेज की पढ़ाई के साथ नौकरी करने तक अपने चरम पर होती है। अतः बचपन से ही बच्चों में धैर्य और सहनशीलता की आदत डालनी चाहिए। इन दिनों समाज में प्रतिस्पर्धा बहुत बढ़ गई है, अतः सफलता पाने का डर और समाज का दबाव बढ़ गया है। धैर्य और सहनशीलता सफलता का मूल मन्त्र है। किसी का भी उदय अचानक नहीं होता। सूर्य भी धीरे–धीरे निकलता है और ऊपर उठता है। जिसमें धैर्य और तपस्या होती है वही संसार को प्रकाशित करता है। अतः धैर्य, समता, सहिष्णुता का अभ्यास जरूरी है।

(7) **संघर्ष करना सिखाएँ-** जीवन में उतार– चढ़ाव, अच्छा–बुरा समय आता ही रहता है। परिस्थितियों का सामना करना और बाधाओं को धैर्य से पार करना भी एक कला है। एवरेस्ट की चोटी को अपने कदमों से मापने वाली पहली भारतीय पर्वतारोही बछेन्द्रीपाल अपने अनुभवों को बाँटते हुए कहती है– ''मैं उत्तराखण्ड के एक छोटे से गाँव की थी। इसलिए संघर्ष तो मेरी दिनचर्या में था।'' आजकल माता–पिता बच्चों को आगे बढ़ने के लिए दवाब तो बनाते हैं, पर उन्हें संघर्ष करने ही नहीं देते। यह दवाब आगे चल कर बच्चों को आक्रामक, तनावग्रस्त एवं हिंसक बनाता है। जबकि संघर्ष उन्हें शक्तिशाली बनाता है एवं सहनशीलता का गुण पनपाता है।

(8) **बच्चों को अपमानित नहीं करें-**आवश्यकता इस बात की है कि हम बच्चों को अस्वस्थ होड़ की ओर प्रेरित न करके प्रगतिशील बनाएँ। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना सर्वोत्तम है, पर दूसरों से तुलनात्मक श्रेष्ठ होने की प्रवृत्ति प्रतिस्पर्धा है, जो कभी साथियो के प्रति दुर्भावना को जन्म देती है। प्रत्येक बच्चा अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार अपने शिक्षक एवं माता–पिता की कसौटी पर खरा उतरने के लिए यथासम्भव प्रयास करता है। असफलता मिलने पर वह स्वयं हताशा, निराशा एवं ग्लानि का अनुभव करता है। ऐसे में अभिभावकों को सम्बल एवं सान्त्वना देनी चाहिए, उन्हें अपमानित और प्रताड़ित नहीं करना चाहिए। बच्चों को इस तरह समझाएँ कि सफलता की दहलीज पर पहुँचने के लिए व्यक्ति में नम्रता, धैर्य, आत्म–विश्वास, सहिष्णुता आदि गुण अत्यन्त आवश्यक हैं।

(9) **बच्चों से अपनी गलतियाँ शेयर नहीं करें -** अपनी गलतियाँ शेयर करने की बजाय अपने संघर्ष की व्यथा कहना चाहिए। अगर यह लगे कि आपने कुछ ऐसा किया जिसका पछतावा आपको है तो बेशक बच्चे से बात करके उसे कहें कि वे गलती सुधारने के लिए कोशिश कर रहे हैं। गलतियाँ करना उतना बुरा नहीं, जितना कि उन्हें सुधारने की कोशिश नहीं करना बुरा है।

(10) **बच्चों के साथ सद्व्यवहार करें-** अच्छे माता–पिता बच्चों की गलती हो जाने पर उन पर चिल्लाते नहीं, यदि किसी कारण से चिल्लाना पड़ा तो शान्त होने के बाद बच्चे के पास जाएँ और कहें ''माफ करना मुझे चिल्लाना नहीं चाहिये था।'' बच्चों को अपशब्द कहने से बचना चाहिए। बच्चों को यह बताएँ कि दूसरों के साथ कैसे व्यवहार करना होगा, यह बताना ही नहीं उन्हें करके दिखाना भी होगा। मूल्यों के बारे में स्पष्ट होना महत्त्वपूर्ण है कि आप दूसरों से कैसा व्यवहार करते हैं?

जिन्दगी खुशी और गम से भरी है। अतः मजबूत रहिए और भरोसा रखिए। असफलता, सफलता की कुंजी होती है। आगे बढ़ने के लिए बच्चों को कदम– कदम पर शैक्षिक और व्यावहारिक स्तर पर परीक्षाएँ देनी पड़ती हैं। जिनमें सफल या. असफल कुछ भी हो सकते हैं। ऐसे में बच्चों को सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। पास फेल मायने नहीं रखता, मायने रखता है तो आगे बढ़ना। सफलता पर अभिमान न आए तथा असफलता पर निराश न हों। अभिभावक ऐसे समय में उन्हें प्रेम से समझाएँ। आजकल के माता–पिता बच्चों के असफल होने की कल्पना मात्र से डर जाते हैं, बच्चों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। अतः हमें बच्चों को संस्कारित करके धैर्य से असफलता एवं विषम–परिस्थितियों का सामना करना सिखाना चाहिए।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के समस्त सदस्यगण द्वारा सागर (मध्य प्रदेश) में परमपूज्य 108 श्री सुधा सागर महाराज जी के आगमन पर भव्य स्वागत किया । आचार्य श्री का 57 वाँ दीक्षा दिवस मनाया गया । कटरा से जुलूस मंगलगिरि हाथी–घोड़ा 57 पालकी साथ में चल रहे थे। श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यगण ने बढ़ चढ़ कर इस भव्य जुलूस में भाग लिया ।

-संध्या जैन, अध्यक्ष सागर (म.प्र.)

शिक्षा के साथ ग्रहण किए गए संस्कार उम्र भर काम आते हैं-मधुपाटनी

स्लम एरिया दाता नगर के 250 बच्चों को सेवा प्रदान की गई

श्री दिगम्बर जैन महासमिति, महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर की गोधा गवाड़ी के तत्वावधान में समिति के संरक्षक थी राकेश पालीवाल, अध्यक्ष अनुल पाटनी राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधुपाटनी एवं अन्य भामाशाह के सहयोग से दातानगर दातेश्वर मन्दिर के पास बसी बस्तियों में रहने वाले जरूरतमन्द परिवार के दो सौ पचास से अधिक बच्चों को टी शर्ट, शर्ट, पेन्ट हाफ, पेन्ट, बाबा सूट एवं खाद्य सामग्री में मिष्ठान, टाली व विस्कुट के पैकेट आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर मधु पाटनी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शिक्षा के साथ ग्रहण किये संस्कार उम्र भर काम आते हैं।

इकाई अध्यक्ष शशि जैन ने बताया कि इस क्षेत्र में चल रहे शैक्षणिक केन्द्र जहां नि:शुल्क सेवायें दी जा रही हैं में कार्यक्रम संयोजक श्री दिगम्बर जैन महासमिति अजमेर के संरक्षक अतुल पाटनी के संयोजन में एवं समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधुपाटनी के मुख्य आतिथ्य में एवं क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता हेमकवर के मार्ग निर्देशन में सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत सेवा को सम्मान के साथ जरुरत मन्दों को वितरण किया गया इस अवसर पर गोधा गवाड़ी इकाई. अध्यक्ष शशिबज, मंजू गदिया, युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेणु पाटनी, मधु पाटनी, अतुल पाटनी सुदर्शन जैन का सहयोग सराहनीय रहा।

- बुरी संगत उस कोयले के समान है, जो गर्म हो तो हाथ जला देता है और ठण्डा हो तो हाथ काला कर देता है । इसलिए बुरी संगत से सदैव दूर रहना।
- बुराई से बुराई खत्म नहीं होती। घृणा को तो केवल प्रेम द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है।
- अतीत पर शोक मत करो, ना ही भविष्य की चिन्ता करो।
- बुराई से बुराई खत्म नहीं होती। घृणा को तो केवल प्रेम द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है।
- अगर आप हार नहीं मानते तो आपको कोई नहीं हरा सकता।

जरूरतमन्द विधवा की पुत्री के विवाह में सहयोग

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला सभांग अजमेर की सरवगी मोहल्ला इकाई के तत्वावधान में एक ऐसी बीमार विधवा महिला रुकमणी देवी जिन्होंने अपने पति को कोरोना काल में खो दिया था की पुत्री का विवाह आने वाले दिन में होने जा रहा है कि आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी से सहयोग की अपील की जिसे समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के मुख्य आतिथ्य में विवाह एवं विवाह उपरान्त गृहस्थ जीवन के कार्य में प्रयोग होने वाली सभी प्रकार की सामग्री देकर सहयोग प्रदान किया गया।

समिति की सरावगी मौहल्ला इकाई की पूर्व अध्यक्ष श्री मती मंजू गंगवाल एवं मन्त्री हिना काला ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक श्री दिगम्बर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी के संयोजन में संरक्षक समाज सेवी राकेश पालीवाल, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु अतुल पाटनी, मोना पाटनी एवं समिति की सरावगी मोहल्ला इकाई की सदस्याओं के सहयोग से दुल्हन का बेस 21 साड़ी, सलवार सूट, ज्वैलरी, रसोई में कार्य आने वाले सभी प्रकार के स्टील के बर्तन, सेलो के आइटम, सलवार सूट के सेट, बैडसीट, प्रेस, जूसर, रेडीमेड चाय केतली, मिक्सर आर्टीफिसियल ज्वेलरी, ब्लेंककेट ओबन, कुकर, वाथरूम सेट, ट्रे सेट, घड़ी सजावट का सामान चौकी, परिवार जन के कपड़े सहित आदि अन्य प्रकार की सामग्री देकर सहयोग किया।

मधु पाटनी ने बताया कि सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत अब तक 114 परिवार की बालिकाओं के विवाह हेतु सहयोग दिया गया है जिसे आगे भी जारी रखा जायेगा। अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, युवा महिला सभाग मंत्री भावना बाकलीवाल संरक्षक राकेश पालीवाल, विजय पाड्या, सरावगी मौहल्ला इकाई की मंजू गंगवाल, हिना काला आदि उपस्थित रहीं।

- मधु पाटनी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अजमेर

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रतिनिधि मण्डल आगरा में राज्यसभा सांसद नवीन जैन से मिला।

25 जून 2024 को श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यसभा सांसद नवीन जैन से आगरा में उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उनका बुके, पटका, समिति का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान एवं समाज गौरव की उपाधि से अलंकृत किया। प्रतिनिधि मण्डल ने सांसद महोदय से विभिन्न विषयों पर चर्चा की एवं अवगत कराया की समिति भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण महोत्सव वर्ष के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 18 मुख्यालय पर 24 भगवान महावीर द्वार बनवाने के लिए प्रयासरत हैं तथा जिसमें अलीगढ़ एवं मैनपुरी में स्थापना हो चुकी है। एक पत्र मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम सौंपा कर अन्य द्वार की बनवाने की मांग की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही आगरा में एक द्वार की स्थापना की जायेगी एवं मुख्यमंत्री से भेंट कर जैन समाज की भावनाओं को उनके समक्ष रख इस कार्य को कराने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किया जायेगा।

सांसद महोदय ने कहा कि जैन मंदिरों के लिए जा रही सड़कों एवं वहां लाइट की उचित व्यवस्था भी कराई जाएगी तथा धर्मशालाओं का भी निर्माण कार्य जल्द ही कराया जायेगा। जिससे श्रद्धालुओं को आने जाने में असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन , मीडिया प्रभारी मयंक जैन , मण्डल अध्यक्ष नीरज जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन अलीगढ़ से आगरा से विपुल जैन, पुनीत जैन , प्रवीण जैन, मोहित जैन , विकास जैन, राहुल जैन, वैभव जैन, आदिश जैन मौजूद रहे।

- राजीव जैन, महामंत्री उत्तर प्रदेश

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति मुरादाबाद संभाग द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया ।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति एवं युवा महिला संभाग अजमेर की गोधा गवाड़ी इकाई द्वारा वृक्षारोपण

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति एवं युवा महिला संभाग अजमेर की गोधा गवाड़ी इकाई द्वारा हरियाली अमावस्या के अवसर पर पुष्प नक्षत्र में सर्व धर्म मंदिर वैशाली नगर में आम, जामुन, बेल,अशोक,अमरुद, आवंला,करीपत्ता कनेर आदि फल व छायादार 11 वृक्षों का पोधारोपण कर 151 वृक्ष लगाने की शुरुआत की, मंडल अध्यक्ष शशि जैन ने बताया कि प्रत्येक पौधों की नियमित देखभाल की जिम्मेदारी समिति की सदस्य पिंकी जैन ने ली है।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शशि जैन, सन्तोष बाकलीवाल, मंत्री अनिता बज, पिंकी बडजात्या,प्रियंका पाटनी,संजू त्रिपाठी, रेणु जैन, संध्या जैन, पुष्पा अग्रवाल, आदि महिलाएं उपस्थित थीं। सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

-शशि जैन, मंडल अध्यक्ष

आज लखनऊ मे श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन ने माननीय उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक जी से शिष्टाचार भेंट कर जैन समाज की समस्याओं से अवगत कराया एवं आगामी अक्टूबर में श्री दिगम्बर जैन महासमिति उत्तरप्रदेश के वार्षिक प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जिसको उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर समिति को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

-राजीव जैन, अलीगढ़ प्रान्तीय महामंत्री

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति संभाग केकड़ी के तत्वावधान में सिद्धचक्र मंडल विधान का भव्य आयोजन

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति संभाग केकड़ी के तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभु चैत्यालय मंदिर में अष्टानिका महापर्व में आठ दिन का सिद्धचक्र मंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया। मंडल विधान में 125 श्रावक – श्राविकाओं ने भाव पूर्वक पूजन व भक्ति के माध्यम से सिद्धों के गुणों की आराधना की। मंडल विधान व विश्व शांति यज्ञ की क्रियाएं प. श्री अंकित जी शास्त्री एवं प. श्री विवेक जी शास्त्री ने संपन्न करवाई। संगीतकर का श्री आयुष जी जैन (बूंदी) ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पूजन बड़े धूमधाम से करवाई। प्रातः मुनि श्री 108 अनुपम सागर जी एवं 108 यतींद्र सागर जी महाराज ने शांति धारा कराई।

इस विधान की आयोजन में समाज के सभी श्रावक श्राविकाओं ने मुनि सेवा संघ जिन आगम सेवा संघ ने अपना सहयोग प्रदान किया।

विधान के अंतिम दिन यज्ञ पूर्ण होने के बाद सौधर्म इन्द्र श्रीमान जितेंद्र जी बज एवं शची इंद्राणी श्रीमती डिंपल जी बज के निवास स्थान पर मंगल कलश सहित गाजे बाजे के साथ समाज के सभी श्रावक – श्राविकाऐं गए। मंत्री श्रीमती मधु जी सिंगल ने बताया कि विधान में विशेष सहयोग श्रीमान ज्ञानचंद जी देवड़िया, राजेंद्र जी सोनी कमल जी ठोलिया, अशोक जी अजगरा विमल जी का गदिया, सुशील जी सोनी ,अंकुर की पाटनी श्रीमती आशा जी जैन, विनोदिनी जी जैन, नीता जी गदिया, आभाजी सोनी, दीप्ति जी कटारिया, मोना जी शाह, सुनीता जी बाकलीवाल ,संगीता जी राव का ,सोनू जी वेद, संगीता जी गंगवाल, मैना जी चौधरी, शकुंतला जी रावका व पिंकी जी बज,सुनीता जी रावका, गुणमाला जी राटा, शकुन्तला जी पांड्या का रहा।

-नीता गदिया युवा प्रकोष्ठ केंकड़ी संभाग

उपाध्याय वर्षभानंद महाराज के सानिध्य में शिला डोडिया को किया श्राविका रत्न उपाधि से सम्मानित

जयपुर परम पूज्य आचार्य श्री 108 श्री वसुनंदी जी महामुनिराज की पावन प्रेरणा से धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा दिनांक 04 अगस्त से 11 अगस्त तक नारी सम्मान सप्ताह मनाया गया था। इसी क्रम में सोमवार दो सितम्बर को उपाध्याय श्री वृषभानन्द जी के पावन सानिध्य में दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के सन्त सुधासागर बालिका छात्रावास की अधिष्ठात्री श्रीमती शीला जी जैन डोडिया को उनके शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं के लिए किए गये कार्यों के लिए श्राविका रत्न के सम्मान से थडी मार्केट समाज द्वारा पद्मावती स्कूल में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। धर्म जागृति संस्थान के उपाध्यक्ष भागचन्द मित्रपुरा ने बताया कि संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के साथ संरक्षक राजीव जैन गाजियाबाद, राकेश माधोराजपुरा के अलावा सांस्कृतिक मंत्री भँवरी देवी जैन, सीमा जैन, पुष्पा बिलाला, संजना बडजात्या, निकिता लुहाड़िया ने शीला डोडिया को तिलक माला सॉल दुपट्टा व साफा पहनाकर श्राविका रत्न प्रशस्ति पत्र गुरु के समक्ष प्रदान किया गया। संस्थान के महामंत्री सुनील पहाड़िया व संयुक्त महामन्त्री संजय जैन बडजात्या कामां अनुसार नारी सम्मान के क्रम में डॉ. वन्दना जैन, शालिनी जैन, व विद्युत लुहाड़िया का सम्मान तिलक माला दुपट्टे से थडी मार्केट के अध्यक्ष पवन नगीनावाले व मंत्री अनिल जैन सहित समाज की उपस्थिति में छात्रावास की बालिकाओं द्वारा बैंड वादन की मधुर ध्वनि के मध्य किया गया। संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया के अनुसार शीला डोडिया व इनकी टीम ने मुनि सुधासागर के मार्गदर्शन में बालिकाओं को विदुषी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर जैन धर्म की प्रभावना की है। इस समय प्रवीण बडजात्या, विकास बडजात्या, सिद्ध जैन, नीता जैन, महेंद्र बसवा वाले सहित बहुत से भक्त जन की उपस्थिती रही ।

प्रांतीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल की सचिव श्रीमती ममता गंगवाल द्वारा
निर्धन स्कूली बच्चों को कॉपी,पेन रबर पेंसिल
पानी की बॉटल वितरित किए गए, साथ ही निर्धन वर्ग को भोजन कराया।

स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण, हमारी पहली जिम्मेदारी श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति संभाग धार द्वारा भगवान नेमिनाथ जी के मोक्ष कल्याण के अवसर पर मानतुंगगिरी तीर्थ पर वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत छुल्लिका श्रीं चंद्रमति माताजी के सानिध्य में मध्यांचल की सचिव श्रीमती ममता गंगवाल द्वारा सभी सदस्यों के साथ 9 ग्रह और 12 राशि के करीब 105 पौधे लगाए गए !!

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति उज्जैन संभाग के द्वारा बॉर्डर पर तैनात सिपाहियों को उनकी जरूरत का सामान वितरण करते हुए।

-ममता गंगवाल महामंत्री, मध्यांचल

श्री दिगंबर जैन महासमिति के संयुक्त संभागों का गुलाबगढ़ रिजॉर्ट मानसरोवर में लहरिया उत्सव ''आया सावन झूम के'' का आयोजन

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 अगस्त 2024 सोमवार को लहरिया उत्सव ''आया सावन झूम के'' गुलाबगढ़ रिजॉर्ट मानसरोवर में आयोजित किया गया, कार्यक्रम में सदस्यों के लिए लहरिया थीम रखी गई थी अंचल कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्युत लुहाड़िया ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सभी संभागों के अध्यक्ष और मंत्रियों के द्वारा भक्तामर स्त्रोत के 26 वें काव्य के माध्यम से मंगलाचरण करके की गई, तत्पश्चात श्रीमती रचना जैन के द्वारा बहुत ही सुंदर मंगलाचरण नृत्य की प्रस्तुति दी गई राजस्थान अंचल की धार्मिक मंत्री विनीता जैन बोहरा ने बताया कि श्रीमती सुधा जी लुहाड़िया एवं श्रीमती भावना जी झांझरी को कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया कार्यक्रम में विभिन्न राउंड्स में **''सावन की रानी''** प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सांगानेर संभाग की अध्यक्षा श्रीमती अंजना जैन को सावन की रानी के खिताब से नवाजा गया, वही फर्स्ट रनर अप श्रीमती हेमा जैन थड़ी मार्केट मानसरोवर से रही, और सेकंड रनर अप श्रीमती अक्षिता जैन वामा संभाग से रही सावन क्वीन प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को एवं सभी प्रतियोगियों को जयपुर कैपिटल युवा संभाग की अध्यक्षता श्रीमती रचना बाकलीवाल एवं उनकी टीम के द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल की भूमिका श्रीमती सविता जैन बगड़ा और श्रीमती उषा जी गोधा किशनगढ़ द्वारा निभाई गई श्रीमती मोना झांझरी अध्यक्षा वामा संभाग के द्वारा म्यूजिकल हाउजी खिलाई गई जिसका सभी सदस्यों ने मस्ती और नृत्य करते हुए बहुत आनंद लिया कार्यक्रम में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा की श्रीमती चंदा सेठी और रेनू पांड्या द्वारा सरप्राइज गिफ्ट्स दिए गए लकी ड्रॉ की गिफ्ट्स श्रीमती अनीता बारदार की तरफ से प्रदान की गई इस अवसर पर समिति की सदस्या श्रीमती कमलेश जैन का भी सम्मान किया गया जिन्होंने सीनियर सिटीजन होने के बावजूद रोम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेबल टेनिस में देश का प्रतिनिधित्व किया और गोल्ड मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शीला जैन डोडिया ने बताया कि महासमिति की सदस्याओं ने मानवता के क्षेत्र में पदार्पण करते हुए देहदान के लिए संकल्प पत्र भरे राजस्थान अंचल की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल उनकी देवरानी श्रीमती रेणु बाकलीवाल एवं उनकी सासू मां श्रीमती मोना देवी बाकलीवाल, एक ही परिवार की तीन महिलाओं ने देहदान के लिए संकल्प पत्र भर के एक अनूठी मिसाल कायम की इसके अलावा अंजना जैन तारामणि गोधा, कमलेश जैन, संतोष जी जैन, विनीता अजमेरा,

उषा शाह, रेणु जैन, आशा नवराज, रिंकू जैन, सुरबाला जैन, सुनीला कासलीवालघ आदि ने भी देहदान के लिए संकल्प पत्र भरे श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति सदैव से ही विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अहम और अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता है सुशीला छावड़ा ने बताया कि सभी सदस्यों ने वहां पर विभिन्न फन एक्टिविटीज और गेम्स का आनंद लिया, जिनमें निशानेबाजी, बैलून शूटिंग, मेहंदी, कैमल राइडिंग, हॉर्स राइडिंग, फोक डांस, कठपुतली डांस, सभी का आनंद लिया और कार्यक्रम की सराहना की, इस कार्यक्रम में 300 महिलाओं ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शालिनी बाकलीवाल एवं श्रीमती विनीता जैन बोहरा के द्वारा किया गया।

-शालिनी बाकलीवाल, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति मुरादाबाद संभाग द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया।

भारतीय धरोहरों एवं मूर्तियों को देश में लाने के लिए मैकुलम टोड़ीवाला आगे आए

मैकलम टोडी वाला जो मुम्बई के बहुत बड़े ऑक्सनर हैं, दिल्ली में मेरे आवास पर पधारे तथा उनसे तीर्थकंर की मूर्तियों के बारे में जो आजकल बहुत व्हाटसएप पर चर्चा का विषय बना हुआ था, डिटेल में चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि आरतीय संस्कृति की बहुत सारी धरोहर विदेश में छोटे–छोटे म्यूजियम के अन्दर हैं, जिनको हिन्दुस्तान लाना बहुत ही मुश्किल होता है जिसके लिए उनको बहुत सारी परमीशन चाहिए होती है। बहुत सारे उनको टैक्स पे करने होते हैं। उन्होंने कहा कि जितनी भी जैन मूर्तिया हैं वह सबसे पहले जैन समाज को आफर करेंगें और यह सब जो कुछ भी वह कर रहे हैं, लीगल है।

आपने हमसे मदद करने को कहा। हम उनकी मदद करके भारत सरकार से जो भारतीय संस्कृति से संबंधित चाहे वह जैनधर्म की हो या अन्य धर्म की भारत बिना रुकावट ला सके । हमने उनसे वायदा किया है कि जैसे ही नई सरकार बनेगी तो जो भी संबंधित मन्त्री होगें हम उनसे मिलकर भारतीय संस्कृति की धरोहर बचाने के लिए, एक दूसरे के साथ सहयोग करेंगें ।

-डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष

पुस्तक का विमोचन

मिशन रिलिजियस हार्मोनी पुस्तक का विमोचन इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर लोधी रोड पर 27 जुलाई को किया गया। जिसमें डॉक्टर मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन महासमिति, प्रोफेसर अर्चना कौशिक डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, प्रोफेसर बुटोला सेंटर फॉर स्टडीज , रीजनल डेवलपमेंट स्कूल ऑफ सोशल साइंस जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी एवं प्रोफेसर फुरकान कमर डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज जामिया मिलिया इस्लामिया तथा पुस्तक के लेखक डॉक्टर थॉमस ने अपने विचार व्यक्त किये।

Dr. M. D. Thomas, Director

विशेष निवेदन

श्री दिगंबर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति के सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण से निवेदन है कि हम लोगों को हर दिन देश के विभिन्न स्थानों से आर्थिक रूप से कमजोर जैन भाई और बहनों के आवेदन प्राप्त होते हैं। जिसमें उनको छोटी–छोटी राशियों की जरूरत रहती है। ज्यादातर संस्थाओं के पास इस तरह का ध्रुव फंड होता है जिससे वह समय पड़ने पर जरूरतमंदों की मदद कर सकें। हम लोगों ने अभी तक इस पर विचार नहीं किया। मेरा निवेदन है कि हम सभी लोग मिलकर नैतिक और सामाजिक कर्तव्य एवं दायित्व का निर्वहन करते हुए थोड़ा–बहुत धन ध्रुव फंड कोष में दान करें और जरूरतमंदों अपने भाई बहनों को आवश्यकता के समय मदद करें तो हम सभी को संतोष के साथ–साथ पुण्य लाभ भी मिलेगा। भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर इस कार्य का हम शुभारंभ करते हैं तथा मैं 51000/– रुपए की धनराशि श्री दिगंबर जैन महासमिति के अकाउंट में इस कार्य हेतु प्रदान करता हूं। आप सभी भी अपनी इच्छा के अनुसार अवश्य दान कर सहयोग करें। धन्यवाद।

डॉ मणीन्द्र जैन,राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री दिगंबर महिला महासमिति रामपुर संभाग को आईएफटीएम यूनिवर्सिटी मुरादाबाद में एनसीसी के बच्चों के साथ वृक्षारोपण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग बारां ने किया वृक्षारोपण

अध्यक्ष चन्द्रकला सेठी सचिव सरला जैन के अनुसार दिनांक 5 अगस्त श्रावण सोमवार को नसियां जी परिसर में पौधारोपण किया। मीडिया प्रभारी सरंक्षक ललिता टोंग्या ने बताया कि नसियां जी मन्दिर स्थित कलश वाटिका में आम व नीम के कई पौधे लगाये। संस्था की आगामी गतिविधियों के बारे में विचार विमर्श किया। नेत्रदान शिविर मेडिकल चेकअप ,पर्युषण में कार्यक्रम ये आगामी योजनाओ में शामिल है। इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने लहरिया ड्रेस कोड के साथ हिस्सा लिया सर्व प्रथम शांति नाथ भगवान के समक्ष भक्तामर पाठ व णमोकार मंत्र जाप का आयोजन किया गया।

तत्पश्चात हाऊजी एवं नम्बर गेम का आयोजन किया गया।अंत में संध्या भोजन खीर पूड़ी का आनंद लिया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष चन्द्रकला पाटनी, युवा प्रकोष्ठ रानी नोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष सन्तोष कासलीवाल,उपाध्यक्ष सोनिया जैन,विद्या गोधा,पूर्णिमा सेठी,उषा बड़जात्या,सरिता बड़जात्या संगीता बड़जात्या, कुसुमबज व अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया ।

-सरला जैन बांरा सचिव

सिद्ध चक्र मंडल विधान में भक्ति भाव से की पूजा

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति संभाग केकड़ी के तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभु चौत्यालय मंदिर में अष्टानिका महापर्व में आठ दिन का सिद्धचक्र मंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया।मंडल विधान में 125 श्रावक श्राविकाओं ने भावपूर्वक पूजन व भक्ति के माध्यम से सिद्धों के गुणों की आराधना की। मंडल विधान व विश्व शांति यज्ञ की क्रियाएं पं. श्री अंकित जी शास्त्री एवं पं. श्री विवेक जी शास्त्री ने संपन्न करवाई। संगीतकर आयुष जैन (बूंदी) ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आचार्य, श्री विद्यासागर जी महाराज की पूजन धूमधाम से करवाई। प्रातः मुनि श्री 108 अनुपम सागर जी एवं 108 यतींद्र सागर जी महाराज ने शांतिधारा करवाई। इस विधान के आयोजन में समाज के सभी श्रावक श्राविकाओं ने मुनि सेवा संघ जिन आगम सेवा संघ ने अपना सहयोग प्रदान किया। विधान के अंतिम दिन यज्ञ पूर्ण होने के बाद सौधर्म इन्द्र जितेंद्र बज एवं शची इंद्राणी डिंपल बज के निवास स्थान पर मंगल कलश सहित गाजे–बाजे के साथ समाज के सभी श्रावक–श्राविकाएं गए।मंत्री मधु सिंगल ने बताया कि विधान में विशेष सहयोग ज्ञानचंद देवड़िया, राजेंद्र सोनी कमल ठोलिया, अशोक अजगरा, विमल गदिया, सुशील सोनी, अंकुर पाटनी, आशा जैन, विनोदिनी जैन, नीता गदिया, आभा सोनी, दीप्ति कटारिया, मोना शाह, सुनीता बाकलीवाल, संगीता रावका, सोनू वेद, संगीता गंगवाल, मैना चौधरी, शकुंतला रावका, पिंकी बज, सुनीता रावका, गुणमाला राटा, शकुन्तला पांड्याका रहा।

-नीता गदिया,केंकड़ी

श्री दिगम्बर जैन महासमिति संभाग बारां ने भरे

नेत्रदान - महादान संकल्प पत्र

संस्था अध्यक्ष चन्द्रकला सेठी व सरला जैन ने बताया कि महासमिति के 8 सदस्यों पूर्णिमा सेठी सोनिया चांद वाढ,संतोष कासलीवाल, ललिता शाह, कुसुम बज,सरिता बड़जात्या, चन्द्र कला सेठी,सरला जैन ने संकल्प पत्र भरे। ये पत्र भारत विकास परिषद के सचिव पवन मित्तल , प्रवीण बंसल की साक्षी में शाइन इंडिया फाउंडेशन कोटा को भेजे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता टोंग्या ने बताया कि श्रावण की फुहार के साथ ही पौधरोपण का कार्य भी किया गया। सभी ने मोठड़ा ड्रेस कोड में कार्य क्रम को ओर शोभायमान किया। सभी कार्यक्रम वरिष्ठ सदस्य पूर्णिमा जी सेठी के निवास पर करवाये गए। मैना बड़जात्या , रानी नोपडा, चन्द्रेश बड़जात्या, संगीता बड़जात्या, विद्या गोधा रूपकुमारी जैन, लीना जैन, शकुंतला सोनी ने सभी संकल्प पत्र भरने वाले सदस्यों का तिलक माला से स्वागत किया। कार्यक्रम में हाऊजी ,पिया जी की प्यारी, व लकी गेम करवाया गया। सुनीता पोरवाल ने सबका धन्यवाद किया।

-सरला जैन बांरा सचिव

साधर्मी प्रतिभावान बालक बालिकाओं को शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति ने सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी सेवा श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा जर्मनी निवासी श्रीमती प्रियंका जैन अंकित जी आरव जी जैन बाकलीवाल के सहयोग से नसीराबाद दि. जैन समाज के प्रतिभावान छात्र दविश जैन छात्रा इशिता जैन जोकि सेंट जश्वन्स सेकेंडरी स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं का वर्ष भर का विद्यालय शुल्क 18000 अठारह हजार रुपए प्रदान किया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि समिति द्वारा धार्मिक कार्यों के साथ सामाजिक सरोकार के अंतर्गत कार्य किए जा रहे है इसी कड़ी में जरूरतमंद परिवार के दोनो बच्चों का विद्यालय एवम शैक्षणिक शुल्क 9000 प्रति के प्रदान किए गए। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने समिति सदस्य प्रिया पाटनी के माध्यम से सेवा सहयोगी परिवार के प्रति आभार प्रेषित किया।

-अतुल पाटनी, अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन महासमिति, अजमेर

कल्की धाम संभल में ''एक पौधा माँ के नाम'' कार्यक्रम में 108 पौधों का वृक्षारोपण हुआ

आचार्य प्रमोद कृष्णम, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, गीतकार सन्तोषानन्द व डॉ मणीन्द्र जैन ने भी वृक्षारोपण किया ।

9 अगस्त 2024 को सावन की शुक्ल पंचमी के दिन कल्की धाम संभल उत्तर प्रदेश में संपन्न हुए कार्यक्रम में पुराणों के अनुसार कलयुग के अंत में पापियों एवं बुराइयों को समाप्त कर संसार को सुखमय बनाने के लिए दसवें अवतार भगवान कल्की जी के जन्म जयन्ती कार्यक्रम में श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 मणीन्द्र जैन ने आचार्य प्रमोदकृष्णम के साथ कल्की धाम में संपन्न हुए कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री सुनील शर्मा जी, गीतकार संतोषआनंद जी, डॉक्टर अनन्या अवस्थी ,पुष्कर जी आदि देश की विभिन्न विभूतियों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी द्वारा आह्वान किए गए एक पौधा मां के नाम प्रोग्राम के अंतर्गत 108 पौधों का रोपण किया गया। पहला पौधा प्रधानमंत्री जी की मां हीरा बेन के नाम दूसरा पौधा आचार्य जी की मां के नाम तथा तीसरा पौधा श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन जी की मां के नाम का लगाया गया।

पंजीकरण संख्या- S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL (E)-20/5535/2018-20

If Undelivered please return to :
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

To,